P-300

Total Pages :4 Roll No. .....

BASL-302

वेद एवं उपनिषद

Bachelor of Arts (BA)

3rd Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **तीन** मन्त्रों का हिन्दी में भावार्थ लिखिए :

(क) अग्निना रयिमश्नवत्पोषमेव दिवे दिवे।
यशसं वीरवत्तमम्।।

(ख) प्रतद्विष्णुः स्तवते वीर्येण मृगो न भीम कुचरो गरिष्ठाः।
यस्योरूषु त्रिषु विक्रमणेष्वधिक्षियन्ति भुवनानि विश्वा।

(ग) जाया तप्यते कितवस्य हीना
माता पुत्रस्य चरतः क्व स्वित्।
ऋणावा बिभ्यद् धनमिच्छमानो
अन्येषामस्तमुप नक्तमेति।।

(घ) यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं तदुसुप्तस्य तथैवेति।
दूरं गमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु।।

(ङ) भद्रा अश्वाः हरितः सूर्यस्य चित्रा एतग्वाः अनुमाद्यासः।
नमस्यन्तो दिव आ पृष्ठतस्थुः परिद्यावा पृथिवी यन्ति सद्यः।।

2. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **दो** मन्त्रों का हिन्दी में भावार्थ कीजिए :

(क) स्वर्गे लोके न भयं किंच नास्ति
न तत्र त्वं न जरया बिभेति।
उभे तीर्त्वाऽशनामापिपासे
शोकातिगो मोदते स्वर्गलोके।।

(ख) शतायुषः पुत्रपौत्रान्वृणीष्व
बहून् पशून् हस्तिहिरण्यमश्वाम्।
भेमेर्महदायतनं वृणीष्व
स्वयं च जीव शरदो यावदिच्छसि।।

(ग) अणोरणीयान्महतो महीया–
नात्मास्य जन्तोर्निहितो गुहायाम्।

तमक्रतुः पश्यति वीतशोको
धातु प्रसादान्महिमानमात्मनः।।

(घ) इन्द्रियेभ्यः परा ह्यर्थाः अर्थेभ्यः परं मनः।
मनसस्तु परा बुद्धिर्बुद्धिरात्मा महान्परः।।

3. वैदिक देवताओं के स्वरूप एवं उनके कार्यों को प्रतिपादित कीजिए।

अथवा

कृष्ण यजुर्वेद एवं शुक्ल यजुर्वेद की समस्त शाखाओं पर प्रकाश डालिए।

4. ज्योतिषशास्त्र की सामाजिक उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

5. आरण्यक ग्रन्थों के प्रतिपाद्य विषय का वर्णन कीजिए।

अथवा

उपनिषदीय शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. ऋग्वेद कालीन सामाजिक चिन्तन पर प्रकाश डालिए।

अथवा

ऋग्वेद की शाखाओं पर प्रकाश डालिए।

2. वैदिक ऋषियों के आख्यानों का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

3. इन्द्र देवता के गुणों का वर्णन कीजिए।

4. यजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा के भाष्यकार उबट की भाष्य शैली का वर्णन कीजिए।

5. सामगान पद्धति को स्पष्ट कीजिए।

6. अथर्ववेद के भैषज्य सूक्त एवं आयुष्य सूक्त में वर्णित विषयों को प्रकाशित कीजिए।

7. उर्वशी और पुरूरवा के आख्यान के कथानक का वर्णन कीजिए।

8. तैत्तरीयोपनिषद् में गुरुशिष्य ज्ञानोपदेश का वर्णन कीजिए।

अथवा

उपनिषदों के विचार से ब्रह्मतत्त्व और प्राण तत्त्व का निरूपण कीजिए।